श्री राम प्रवेश राय, माननीय स0वि0स0 से प्राप्त तारांकित प्रश्न सं0–लघु–76 (ऑन लाईन प्रश्न सं0– 3991) से उद्भूत आश्वासन सं0–1886/22 का उत्तर प्रतिवेदन।

तारांकित प्रश्न	आश्वासन	अद्यतन उत्तर प्रतिवेदन
क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत विशुनपुर वितरणी जो सारण माँझागढ़ से निकलकर आगे बरौली, सिधवलिया, बैकुण्ठपुर के तरफ जाती है, पिछले बाढ़ में आई विभीषिका से क्षतिग्रस्त हो गया है;	स्वीकारात्मक। वस्तुस्थिति यह है कि विशुनपुर वितरणी सारण मुख्य नहर के 121.00 आर0डी0 से निकलती है। विशुनपुर वितरणी के कुल लम्बाई 71.00 आर0डी0 है। यह नहर माँझागढ से निकलकर आगे बरौली, सिधवलिया, बैकुण्ठपुर की तरफ जाती है। 2020 में आयी भीषण बाढ़ के कारण प्रश्नगत नहर 21.32 आर0डी0 से 33.72 आर0डी0 तक क्षतिग्रस्त हो गई है।	वस्तुस्थिति यह है कि विशुनपु वितरणी सारण मुख्य नहर व कि0मी0 36.89 (121.00 आर0डी0 से निकलती है, जिसकी कुल लंबाई 21.64 कि0मी0 (71.0(आर0डी0) है। यह वितरणी सारण माँझागढ़ से निकलकर आगे बरौली, सिधवलिया, बैकुण्ठपुर की तरफ जाती है। वर्ष 2020 में आयी भीषण बाढ़ के कारण प्रश्नगत नहर कि0मी0 6.50 (21.32 आर0डी0) से कि0मी0 10.28 (33.72 आर0डी0) तक क्षतिग्रस्त हो गई थी। पश्चिमी गंडक नहर पुनर्स्थापन योजना (ERM) के तहत विशुनपुर वितरणी कुल लंबाई 21.64 कि0मी0 (71.00 आर०डी०) में से 19.45 कि०मी० (63.79 आर०डी०) में पी०सी०सी० लाईनिंग कार्य कराया जा चुका है। विगत खरीफ सिंचाई अवधि में इस वितरणी में अंतिम छोर तक जलश्राव प्रवाहित हुआ है। शेष 2.19 कि०मी० (7.18 आर०डी०) में लाईनिंग कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। आगामी खरीफ सिंचाई अवधि के पूर्व इसे पूर्ण करा लिया जाएगा। इस वितरणी से जुड़े गाडा (GADA) द्वारा निर्मित कुल 05 अद्द क्षतिग्रस्त नालों (फिल्ड चैनल) का पुनः निर्माण हर खेत तक सिंचाई का पानी योजना के तहत पूर्ण कर लिया गया है।
क्या यह बात सही है कि विशुनपुर वितरणी 50.00 आर.डी. से आगे पक्कीकरण का कार्य नहीं हुआ है, जिससे पिछले कई वर्षों से पानी नहीं जा पा रहा है और सिंचाई प्रभावित हो रहा है,	आंशिक स्वीकारात्मक। पश्चिमी गंडक नहर पुनर्स्थापन एवं विस्तारीकरण कार्य योजना के अन्तर्गत विशुनपुर वितरणी के 0.00 से 57.00 आर0डी0 तक लाईनिंग कार्य कराया गया है। वर्ष 2020 से पूर्व खरीफ अवधि में अंतिम छोर तक जलश्राव प्रवाहित किया गया है, किन्तु नहर पुनर्स्थापन कार्य के चलते रब्बी सिंचाई प्रभावित हुआ है। वर्ष 2020 में आयी भीषण बाढ़ के कारण विशुनपुर वितरणी के 21.32 से 33.72 आर0डी0 तक नहर क्षतिग्रस्त रहने के कारण 21.32 आर0डी0 से आगे खरीफ 2020 से सिंचाई पूर्णतः बाधित है।	
क्या यह बात सही है कि गाडा (GADA) से निर्मित नाले जो इस वितरणी से जुड़े है, वह भी क्षतिग्रस्त है;	स्वीकारात्मक।	
यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक बाढ़ में क्षतिग्रस्त वितरणी का निर्माण, छुटे हुए वितरणी का पक्कीकरण एवं गाडा निर्मित नालों का पुनः निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?	वर्ष 2020 मे आयी भीषण बाढ़ से क्षतिग्रस्त विशुनपुर वितरणी की मरम्मति एवं लाईनिंग कार्य वर्तमान में प्रगति में है। पश्चिमी गंडक नहर पुनर्स्थापन एवं विस्तारीकरण कार्य योजना के तहत छूटे हुए भाग 57.00 से 71.00 आर0डी0 तक का पक्कीकरण कार्य कराया जा रहा है, जिसे खरीफ सिंचाई 2022 के पूर्व पूर्ण कराने का लक्ष्य है। गाडा (GADA) से निर्मित नालों का पुनर्स्थापन निर्माण हेतु सर्वेक्षणोपरान्त योजना प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।	

बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग

ज्ञापांक–25 / वि0स0आ0(सि0)–11–49 / 2025– पटना, दिनांक–

प्रतिलिपि– अवर सचिव, बिहार विधान सभा सचिवालय, बिहार, पटना को उनके ज्ञापांक–1886 दिनांक–22.07.2022 के प्रसंग में आश्वासन सं0–1886 / 2022 का उत्तर प्रतिवेदन (पाँच प्रति) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार पाण्डेय)
उप सचिव

ज्ञापांक–25 / वि0स0आ0(सि0)–11–49 / 2025– पटना, दिनांक–

प्रतिलिपि– उप सचिव, संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार पाण्डेय)
उप सचिव

ज्ञापांक–25 / वि0स0आ0(सि0)–11–49 / 2025– पटना, दिनांक–

प्रतिलिपि– प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा–17, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार पाण्डेय)
उप सचिव

ज्ञापांक–25 / वि0स0आ0(सि0)–11–49 / 2025– 33 पटना, दिनांक– 05/01/2026

प्रतिलिपि– कार्यपालक अभियंता, आई0 टी0 सेंटर, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

2/1/26
(अनिल कुमार पाण्डेय)
उप सचिव
02.01.26